## नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) (A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997) जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

## सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास के दस वर्ष पूर्ण 'बोल के लब आज़ाद हैं तेरे' सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

वर्धा, 20 नवंबर 2017 :महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में स्थापित सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास की स्थापना के दस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में छात्रावास की



छात्राओं ने 'बोल के लब आज़ाद हैं तेरे' नाम से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का

उदघाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किया। अतिथियों ने सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ आलोचक प्रो. गोपेश्वर सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्रावास की अधीक्षक डॉ. अवंतिका शुक्ला, कुलानुशासक प्रो. गोपाल ठाक्र, उप-



कुलानुशासक डॉ. चित्रा माली, प्रो. कृपाशंकर चौबे, अंजली हाईट्स छात्रावास की अधीक्षक शिल्पि



कुमारी, सहायक प्रोफेसर डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. विधु खरे दास, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, राजेश अरोड़ा, गिरीश पाण्डेय आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

इस अवसर पर अहल्या की जीवनी पर 'महामोह' लघु नाटक का मंचन किया। नाटक का निर्देशन आरती कुमारी ने किया तथा नाटक में अंकिता चौधरी, श्वेता सचान, रश्मि गोंडाने ने



भूमिकाएं निभायी। ज्योति राय ने कविता प्रस्तुत की। छात्रा आरिफ़ा खातून, रागिनी, विजया सिंह और हेमा ने गायन प्रस्तुत किया। प्रीति राणा ने बासुरी वादन कर श्रोताओं को मुग्ध कर दिया।



दीप्ति शर्मा ने स्टेंडअप कॉमेडी पेश कर सभी को लोटपोट कर दिया। छात्राओं ने विभिन्न राज्यों के मशहूर नृत्यों को प्रस्तुत करते हुए महाराष्ट्र की लावनी, असम का असमी लोकनृत्य तथा उडिसा का

उडिसी नृत्य की झलिकयां प्रस्तुत की। लावनी और मराठी नृत्य में पायल, खुशबू साहू, अमरीन, सिमरन, अपेक्षा, मनीषा, कोमल और आंचल ने नृत्यों से समा बांधा। धिरत्री और पी. अंजली ने उडिसा का लोकनृत्य प्रस्तुत किया। एकल नृत्य में नन्ही आद्या ने सभी का मन जीत लिया। एकल नृत्य में सुरिभ, आरती शर्मा, नेहा झा, दीिस ओगरे, ब्यूटी कुमारी, सुधा वर्मा और फायज़ा का नृत्य भी अपनी छाप छोड गया। कार्यक्रम के आयोजन में वंदना चौबे, आरिफ़ा, स्नेहा राय, मनीषा, दीपाली, अनामिका गुप्ता, नेहा, चैताली, खुशबू शेख, विजयालक्ष्मी सिंह, रूपा करकट्टा, लिता, संतोष मिश्रा, उमा यादव, कर्मी सीता देवी, शमीम, विनिता, विद्याताई शेलके और शांताबाई तेलगोटे ने परिक्षम किये।